577

gige Feier P. 4,2,43, Vårtt. 2.3. म्रहीनमूक्तानि, म्रहीनानि रू वा एता-न्यक्ति Air. Br. 6,8. ये भूपांसह्यकादकीनाः Âçv. Çr. 9,1. 7,4. इत्पेकाका म्रयाक्तीना द्यक्प्रभृतयः 11,2. दाद्शाक्ः सम्नमक्तिम्य Kâtu. Ça. 12,1,5. 6, 16. 23,1,1.3. 4,27. 24,7,17. त्रात्याना याजनं कृत्वा परेषामरूयकर्म च। म्रभिचारमङ्गीनं च त्रिभिः कृष्क्रैर्ट्यपोक्ति॥ M. 11,197. म्रङ्गीनं यागविशेषः म्रक्तीनयजनमर्शाचेकर्रामिति म्र्ते: Kull. Am Ende eines comp. nach Zahlwörtern P. 5,1,87. 6,4,145. द्यक्तेन, त्र्यक्तेन Sch.

2. म्रैंहीन (3. म्र + हीन) adj. 1) ungeschmälert, vollständig: म्रहीना-हस्वर्गी लोकाह्मर्वद्वपाहमर्वसमृद्धानेवाप्नवाम Air. Br. 6,18. Çar. Br. 3,1, 1,7. म्रहीनकोर्ति adj. MBn.1,1252. म्रहीनसत्य adj. 3,13780. voll, üppig: म्रकोननितम्बे Çaur. 20. — 2) nicht beraubt von Etwas, sich einer Sache nicht entziehend: वेदयंत्रीरकीनानाम् M. 2,183.

म्रहोनम् (von 2. म्र॰-+ मा) m. N. pr. eines Fürsten, eines Sohnes von Devånika, Hariv. 825. VP. 386. Ragh. 18, 13.

म्रहीनर m. N. pr. eines Fürsten VP. 462 (Buig. P.: वक्तिनर). म्रहीर m. Kuhhirt Vaić. beim Sch. zu Çıç. 11, 8. — Vgl. म्रभीर, म्राभीर. म्रहीरिश m. eine zweiköpfige Schlange Trik. 1,2,3. Han. 164.

म्रक्तीवर्ती (von म्रक्ति) f. संज्ञायाम् gana शराद् zu P. 6,3,120. Sch. zu 6,1,221 und 8,2,11.

म्रहीपूँव N. eines von Indra bekämpfen Dämons: यः सर्विन्द्मनर्शनि पिप्रृं दासमेक्शिष्रवेम् । वधीड्या रिणनपः । ३४.८, ३३,३० ऋक्त्वृत्रम्ची-षम ब्राणिवाभर्मकीष्र्वम् २६. ६६,२. घृषुः श्येनाय कृत्वन श्रामु स्वामु वंसगः। म्रवं रीधेरकीम्रवं: ॥ 10,144,3. — Vgl. म्रकी.

म्रङ adj. im comp. पौष्ठि f., Nebenform von मंङ eng, schmal, Çат. Вв. 3,3,4,26: पर्उवीर्वा म्रन्या उपसदः पराज्ङ्वीरन्याः.

শ্বঁক্তন (3. শ্ব + ক্তন) adj. 1) nicht geopfert, nicht dargebracht, noch nicht geopfert AV. 12, 4, 53. क्विषा उद्घतस्य नाम्रीयात् ÇAT. BR. 3, 6, 3, 21. 2,5,3,17. 4,5,2,16. 9,5,1,19.23. म्रङ्गताम्युद्ति Kâtu. Ça. 25,4,10. म्रङ्कतं च क्रतं चैव तया प्रक्रतमेव च । ब्राव्ह्यं क्रतं प्राशितं च पञ्च यज्ञान्प्र-चत्तते ॥ जपा उक्तता कुता हामः u. s. w. M. 3,73.74. म्रक्कतं क्विः 12,68. - 2) dem nicht geopfert worden ist AV. 7,97,7. - 3) nicht eropfert, nicht durch Opser erlangt: यन्मा इतं यद्क्रतमात्रगामं AV. 6,71,2.

মুক্তনীর (3. ম্ব + ক্তন-মূর্) adj. nicht vom Geopferten geniessend, dem nicht gebührt vom Opfer zu essen: क्रतभागा म्रक्ततार्घ देवा: AV. 1,30, 4. VS.17,13. दस्यर्व: AV. 18,2,28. ब्रक्डतारें। वै विश: Çat. Br. 2,5,2,24. 4, 5, 2, 16.

मैहत (3. म + हत) adj. ungerufen, nicht herausgefordert: भाजा जि-ड्युर्वे म्रह्नेताः प्रयत्ति ए. 10,107,9.

ग्रॅंव्हणान (3. म्र + व्ह°) adj. nicht grollend, freundlich: किं में क्व्य-मर्कृणाना ज्येत RV. 7,86,2.

म्रॅंव्हणीयमान (3. म्र + व्ह°) adj. 1) nicht eifersüchtig, nicht unwillig, bereitwillig: राजीना तत्रमर्व्हणीयमाना मुक्स्नेस्यूणं विभयः मुक् द्वा RV.5, 62,6. प्न: प्रायंटक्ट्र र्खु शीयमानः 10,109,2. AV. 1,35,4. 6,74,3. 18,4,6. - 2) was man gern giebt: भ्रियं द्दातु श्रद्धणीयमानाम् TAITT. Ba. 3,1, 2, 6 in Z. f. d. K. d. M. 7,272.

म्रव्ह interj. त्रेपे und वियोगे ÇABDAM. im ÇKDR.

मैक्टेक्स् (3. म्र + कें॰ von केंट्) adj. nicht unwillig, geneigt RV. 1,91,4. म्रोक्टेंकता मनेसा 7,67,7. 10,70,4. म्रोक्टेंक्ट्न्यमुं: सुमनी बभूव 32,8. VS.15,1. श्रॅव्हेळमान (3. म्र 🕂 व्हें) adj. dass. P.V. 1,24,11. 138,3.4.

मैंहेळपत् (3. म + हे°) adj. dass.: (सूर्य) म्रेहेळपत्रच्चिति स्वधा मृत् RV. 10, 37, 5.

578

म्रहेतृ f. N. einer Pflanze, Asparagus racemosus Willd., AK. 2, 4, 3, 20. म्रोहेत्न (3. म्र + है) adj. der Grundlage entbehrend Beag. 18,22 (v. 1. म्रहे ः).

म्रह्म interj. des freudigen oder traurigen Staunens, des Entzückens oder der Trauer, der Freude oder des Unwillens, des Lobes oder Tadels; am Anf. eines Satzes: म्रहे। गीतस्य माध्यम् R.1,4,16. म्रहे। द्रपमहा वीर्यमेका सत्तमका व्यति: 5,45,16. N. 3,17. Pankar. 29,25. म्रेका रागब-इचित्तवृत्तिरालिखित इव सर्वता रङ्गः Çik. ४, ११. १९,१. 13, १०. 16, १२. २७, 17. 31,2. 32,15. 59,11. 80,7. 99,13. YIKR. 49,11. म्रेट्से तुप्ताः स्म R. 1, 13,20. म्रेका स्वप्नमिमं मन्ये 5,31,37. म्रेका पश्यत Pankiat. 45,12. म्रेका क्रि-एयक साध्या असि सार. 17,5. म्रह्ना देवदत्तः पचति शाभनम् P.8,1,40, Sch. म्रेका डप्यतस्य संशयमात्रुढाः पिएउभाजः Çax. 92, 6. 41, 11. म्रेका कामी स्वता पश्यति ३४. म्रेक्त शाखामगत्नं ते व्यक्तितं प्रवगर्षभ R. 4,1,21. mitten in den Satz eingeschoben: घ्ताच्यां किल संस्तेता दश वर्षाणि लद्दमण। म्रमन्यताके धर्मात्मा विद्यामित्रः R. 4,35,7. विधिरके बलवानिति मे म-ति: Внактя. 2,87. क्रिति धनिना वित्तान्यका दाम्भिका: Ралв. 21,7. Çân-TIÇ. 1,11.18. AMAR. 44. तर्हा ऽयमस्मरीया बान्धवः Pankar. 245,6. 227, 7. करमके कारिष्यमि (स्रमूपायाम्) P. 8,1,41, Sch. am Ende des Satzes: वरमपि च गर्भे स्थितिरक्ति Рамкат. Pr. 8. 1,12. I,448. Çak. 107. In Verbindung mit andern Partikeln: ग्रेहा नु खल्वीदशीमवस्था प्रपन्ना ऽस्मि Çâk. 60,12. म्रेट्रा धिर्गिति नि:श्वस्य R. 2,57,11. Brâhman. 1,35. Pańkat. 125, 16. 228,9. 234,9. Çâx.18,9. म्रेट्रा वा धिग्वलं तास्त्रम् MB⊞ 1,5156. धि-गेका (so ist zu lesen st. दिगका) कष्टां स्त्रीघन्राधिताम् Клтиль.20,197. म्रहे। वत (wehe) मक्त्पापं कर्तुं व्यवसिता वयम् BAAG. 1, 45. SAv. 2,11. N. 12, 76. PRAB. 92, 13. KATHÂS. 22, 239. als Anrus: म्रेट्स वतापि स्पृट्सापि-वीये: Kumaras. 3,20. — Die Lexicographen geben folgende Bedeutungen an: विस्मये AK. 3,5,9. धिगर्धे शोके च करूणार्थविषादया: H. an. 7, 52. Dieselben Bedeutungen und ausserdem: संवाधन (vgl. Pankat. 103, 21. 172, 15. Çix.69, 22, v. l.) प्रशंसायां विस्मये पद्पूर्णे ॥ श्रम्यायां वितर्के (Verwechselung mit म्राहा) Med. avj. 89.90. Weder म्रा noch ein folgender Vocal erleiden irgend eine euphonische Veränderung nach P. 1,1, 15 und Vop. 2, 19. Vgl. 現在 刊° Pankar. 125, 11. 128, 4. 169, 13. 173, 2. Hit. 35, 5. 現意 夏 º Pańkat. 192, 23. 231, 5. Dagegen gefehlt MBu. 1, 4197. BRAHMA-P. in LA.55, 8. PANKAT. 29, 25. 104, 16. 157, 5. 245, 6. Bei म्रदे। पूजापाम् hat das verb. fin. den Ton, in einer andern Bedeutung nicht nothwendig, P. 8,1,40.41. म्रहावत wird besonders aufgeführt: म्रन्कम्पायां विदामन्त्रणयाः H. an. 7,60. Med. avj. 34.

मैक्तात.र (3. म्र + कां°) m. Nicht-Opferer, zum Opfern ungeschickt AV. 9, 6, 51. CAT. BR. 1, 3, 5, 3. 5, 1, 13.

म्रहाप्रापिका (von म्रहा + प्राप) f. grosses Selbstvertrauen, Grossthuerei H. 318. In den Scholl. zu Buatt. 5,27 wird म्राव्हिप्किषिका durch म्रदेष्कृतवस्य भावः erklärt. — Vgl. म्राद्धाः

म्रव्हार्यंतर (म्रव्हस् + र्°) n. P. 8,2,68, V årtt.

म्रहे। रात्रँ (von म्रव्हम् + रात्रि) P.5,4,87. 8,2,68, V årtt. Tag und Nacht, νυχθήμερον; m. P.2,4,29. AK.1,1,3,12.21. H.138. Pragnop.1,13. MBs.